एक के बाद एक तीन फैक्ट्रियों लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

दो हैण्डीक्राफ्ट व एक फाइबर फैक्ट्री में भारी नुकसान हुआ

सरदारशहर, (निसं)। रीको औद्योगिक क्षेत्र में रविवार को शाम एक के बाद एक तीन फैक्ट्रियों में आग लग गई जिसके कारण लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। मिली जानकारी के अनुसार सबसे पहले नन्दू जांगिड़ की हैण्डीक्राफ्ट फैक्ट्री में आग लगी थी। तेज हवा के चलते आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और पास में स्थित नन्दू जाला की फैक्ट्री को अपने आगोश में ले लिया।

इसके बाद आग ने संजय सैनी की फाइबर की फैक्ट्री को चपेट में ले लिया। आग को बढते देखकर आसपास की फैक्ट्रियों के मालिक व मजदूरों ने अपना सामान बाहर निकाल कर सुरक्षित स्थान पर रख लिया। जिसके कारण सामान बच गया। इस दौरान भरतिया की फैक्ट्री आरसीसी में बनी होने के कारण आग फैली नहीं और शीघ्र काबू पा लिया गया।

सूचना मिलते उपखण्ड अधिकारी पवन कुमार, थानाधिकारी बलराजसिंह मान, नगरपालिका अध्यक्ष राजकरण चौधरी, शंकर एण्ड शंकर, प्रहलादराय सर्राफ, बनवारीलाल जांगिड आदि पहुंचकर सरदारशहर के अलावा आसपास के शहरों से दमकल बुलाई। जब तक आग पर काबू पाया गया। तीनों फैक्ट्रियों का सामान जलकर राख हो गया। आग बुझाने के लिए सरदारशहर के अलावा चूरू, रतनगढ आदि शहरों से दमकल पहुंची। इसके साथ कई ट्रेक्टर टेंकर भी आग बुझाने में जुटे हुए थे।

तेज हवा एवं फैक्ट्रियों में रखे केमिकल के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की पलटे देखकर अन्य फैक्ट्रियों के कर्मचारी एवं मजदूरों के अलावा कस्बे के बडी संख्या में लोग जो हाथ में आया आग बुझाने व सामान निकालने में जुट गए। आसपास की कई फैक्ट्रियों का सामान निकाल कर सुरक्षित स्थान पर रखा दिया गया। नही तो बडा हादसा हो जाता। इस अग्निकांड में दो हैण्डीक्राफ्ट व एक फाइबर फैक्ट्री में भारी नुकसान हुआ है। आसपास की फैक्ट्रियों में सामान निकालते वक्त नुकसान हुआ है।

रीको इण्ड्रटीज में लगी आग से निकलता धुआं व मौके पर उपस्थित अधिकारी।

■ आग बुझाने सरदारशहर के अलावा चूरू, रतनगढ़ आदि शहरों से दमकल पहुंची

आग की पलटे देखकर कर पूरे औद्योगिक क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई तथा आग से बचने के लिए व्यवस्था में जुट गए। करीब तीन घण्टे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। समाचार लिखे जाने पर धुआं निकल रहा था एवं आग सुलग रही थी। वर्तमान में फर्नीचर में मंदी का दौर चलने के कारण इन फैक्ट्रियों में फर्नीचर का स्टॉक अधिक था। जो जलकर राख हो गया। जिसके कारण लाखों रूपयों का नुकसान हो गया। आग के कारणों का पता नहीं लग पाया है।

बीज विक्रेता पर कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश

जोधपुरा गांव में खेतों में बीज अंकुरित नहीं हुए

खेत में बैठा किसान का पीड़ित परिवार।

टोडाभीम, (निसं)। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत मातासूला के गांव जोधपुरा में अच्छी बारिश होने के बाद किसानों ने खेतों में फसल बुवाई का कार्य भी शुरू कर दिया है। इसी को लेकर राज्य सरकार ने अधिकारियों को भी क्षेत्र की खाद बीज की दुकानों का निरीक्षण करने के भी निर्देश दे रखे हैं। लेकिन सख्ती के बाद भी खाद बीज संचालक नकली बीज बेचने से बाज नहीं आ रहे हैं। कृषधि के निरीक्षण करने के दावे खोखले साबित हो रहे है। नकली बीज बेचने का मामला क्षेत्र के गांव जोधपुरा में सामने आया हैं। ग्रामीणों ने जानकारी पर बताया कि 50 रुपये सस्ते के लालच में ग्रामीण मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र के सिकराय से ओम खाद बीज भंडार की दुकान से बाजरे के बीज की सौ थैलियां खरीदकर लाये थे। बारिश के बाद जोधपुरा के सैकड़ों की किसानों ने ओम खाद बीज भंडार से प्रो एग्रो हाइब्रिड बाजरे का बीज खरीदा था। लेकिन बाजरे के बीज की खेतों में बुवाई करने के कई दिन बाद भी वो अंकुरित नहीं होने से किसानों में रोष व्याप्त है।

■ किसानों ने नकली बीज देने का लगाया आरोप

टोडाभीम एसडीएम से मिले ग्रामीण:- जोधपुरा के ग्रामीणों के द्वारा नकली बीज बेचने की शिकायत एसडीएम दुर्गाप्रसाद मीना से की गई ग्रामीणों की शिकायत पर एसडीएम दुर्गाप्रसाद मीना ने कहा कि मामला दौसा जिले का इसमें हम कार्यवाही के लिये कृषि अधिकारियों को लिखेंगे। ग्रामीणों ने जानकारी और बताया कि ऊक्त मामले की प्राथमिकी दर्ज करवाने के लिए ग्रामीण टोडाभीम थाने में गये तो थानाधिकारी ने मामला दौसा जिले क्षेत्र का बताकर ग्रामीणों को चादुसा गाव के थाना क्षेत्र में मामला दर्ज करवाने की बात कही गई।

जिला कृषि अधिकारी ने जानकारी पर बताया कि सिकराय के चांदूसा गांव में संचालित ओम खाद बीज भंडार की दुकान से बाजरे के बीज के सैम्पल ले लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि दुकान से लिये गए सैम्पलों को जांच के लिए भिजवा दिया गया हैं जांच के बाद ही कोई कार्यवाही की जावेगी।

इस दौरान किसानों ने कृषि पर्यवेक्षक राजेन्द्र कुमार मीना को इसकी जानकारी दी तो उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तो उन्हे खेतों में 5 से 10 फीसदी बीज ही अंकुरित पाया गया। वहीं ग्रामीण की।मांग पर ऊक्त दुकानदार के सैम्पल लेने की कार्यवाही जिले के अधिकारियों के माध्यम से दौसा के कृषि अधिकारियों के द्वारा करवाई गई हैं। कृषि पर्यवेक्षक राजेन्द्र कुमार मीना ने बताया कि विभाग द्वारा किसानों की सूची बना ली गई हैं यदि जांच में बीज खराब पाया गया तो पीड़ित किसानों को मुआवजा मिल जाएगा।

युवक ने पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या की

राजसमंद, (निसं)। जिले के कांकरोली थाना क्षेत्र के मोही ग्राम में शनिवार दोपहर भील समाज के एक युवक ने पेड पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोही सालर माला निवासी रोशन लाल (19) पुत्र किशनलाल भील ने अज्ञात कारणों के चलते शनिवार को कस्बे के करणी सागर बांध के पास खेत में एक पेड पर फांदा लगाकर आत्म हत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने पर मोही उपसरपंच दिग्विजय सिंह भाटी कुछ ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचे। जहां रोशनलाल का शव पेड पर लटका हुआ मिला। इस पर तुरंत पुलिस को सूचित किया। सूचना पर मौके पर पहुंची कांकरोली थाना पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से मृतक के शव को पेड से उतारकर आरके चिकित्सालय के मुर्दाघर में रखवाया। जहां रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। बताया गया कि मृतक रोशनलाल भील ट्रैक्टर चलाने का कार्य करता था। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया गया है। पुलिस ने मर्ग में मामला दर्ज कर छानबीन प्रारंभ कर दी है।

■ पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंपा

कार पुलिया से नीचे गिरी, चालक घायल

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में अनियंत्रित कार पुलिया से निचे जा गिरी । हादसे में चालक घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को आरके सर्कल से पुलारोड़ पर स्थित पुलिया से गुजरते समय अनियंत्रित कार पुलिया से निचे जा गिरी। हादसे की सूचना मिलने पर चेतक पर तैनात गोपाल ने मौके पर पहुंच कर घायल चालक राजमसन्द निवासी शिवशंकर पुत्र गोकुलराम को उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया। चालक फतहपुरा से पुला की तरफ जा रहा था। जहां निर्माणाधीन पुलिया पर बीच रास्ते रैलिंग नहीं होने से कार नीचे जा गिरी।

अस्पताल में होम गार्ड की मौत के बाद परिजनों का हंगामा

जोधपुर, (कासं) । शहर के माता का थान क्षेत्र में एक होम गार्ड के पेट में दर्द की शिकायत पर गलत इलाज से जान चली गई। परिजनों ने हालत बिगडते ही थाने में शिकायत दर्ज की थी। इस पर पुलिस ने जांच कमेटी बिठाकर मामला दर्ज करने की बात कही। जांच कमेठी गठित होती उससे पहले ही होम गार्ड की मौत हो गई। महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में होम गार्ड के शव को रखवाया गया। वहां परिजन एकत्र होकर विरोध किया। लखारा समाज के लोग व परिजनों ने जांच की मांग करते हुए शव लेने से इंकार किया। लखारा समाज के नेता अनिल लखारा ने बताया कि जब तक पूरी जांच नहीं हो जाती तब तक शव नहीं उठाएंगे। मौके पर थानाधिकारी निशा भटनागर पहुंची और जांच का आश्वासन दिया।

मृतक के पिता सम्पत राज ने बताया कि उसके 32 वर्षीय पुत्र जितेन्द्र को 23 तारीख को पेट दर्द की शिकायत पर मदेरणा कॉलोनी में स्थित एक क्लीनिक पर गया। काफी देर होने पर वापस नहीं लौटा तो उसकी मां क्लीनिक पहुंची। वहां जितेन्द्र बेहोश था। क्लीनिक के डॉ ए एम अंसारी को पूछने पर पहले वह घबरा गए फिर बताया कि इंजेक्शन रिएक्शन कर गया है। पुलिस क्लिनिक संचालक के खिलाफ जांच कर रही है।

नकबजनी का आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। सूने मकान का ताला तोड़ नकबजनी करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 10 जून को पीड़िता इन्द्रा कॉलोनीकच्ची बस्ती चुंगीनाका गोवर्धन विलास निवासी कुसुमलता पत्नी रामसिंह ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि 9 जून रात में अज्ञात चोरमेरे मकान का ताला तोड़ कर सोने चांदीके जेवरात चुरा ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर अशोक मीणा, पुलिस उप अधीक्षक जितेन्द्रसिंह के सुपरविजन में गोवर्धन विलास थानाधिकारी चेलसिंह, एएसआई भगवतीलाल, हेडकांस्टेबल गणेशसिंह, कांस्टेबल कल्याणसिंह, हरीसिंह मय टीम ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर विनोद उर्फ बाका को गिरफ्तार किया।

सिंचाई पानी के लिए किसानों ने डाला महापड़ाव, थर्मल प्लांट का घेराव

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में पानी की मांग पर किसानों ने सूरतगढ थर्मल पावर प्लांट का घेराव कर लिया है। हजारों किसान प्लांट के चारों तरफ जुट गए हैं। सैकड़ों ट्रैक्टरों में हजारों किसान यहां जुटे हुए हैं। इलाके के किसान लम्बे समय से सिंचाई के पानी की मांग कर रहे हैं। इसी को लेकर थर्मल प्लांट का घेराव किया गया। बड़ी संख्या में किसानों ने थर्मल के गेट पर सभा की। इस दौरान महिलाएं भी मौजूद रही। आसपास के गांवों से बड़ी तादाद में किसान ट्रैक्टर-ट्रालियों और गाड़ियों में भरकर थर्मल गेट पर पहुंचे।

किसानों के थर्मल घेराव के ऐलान के बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद है। कार्यपालक मजिस्ट्रेट सूरतगढ़ तहसीलदार हाबूलाल मीणा और सूरतगढ़ डीएसपी शिवरतन गोदारा, डीएसपी विक्की नागपाल स्थिति पर नजर बनाये हुए थे। माइनर निर्माण की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों से दोपहर 2 बजे प्रशासन ने वार्ता की पेशकश की। जिसे किसान नेताओं ने ठुकरा दिया।

इसके बाद किसान नेताओं ने जिला कलेक्टर से वार्ता करने की मांग रखी। इस पर प्रशासनिक अधिकारियों ने जिला कलेक्टर से वर्चुअल बैठक की बात कही। लेकिन किसान नेता धरनास्थल पर ही वार्तो की मांग दोहराते रहे। इससे पहले आज की बैठक को भाजपा के पूर्व विधायक अभिषेक मटोरिया, किसान मजदूर संघर्ष समिति के रणजीत सिंह राजू, सन्तवीर सिंह मोहनपुरा, ओम राजपुरोहित, मोहन पूनिया, राकेश बिश्नोई, रामू छिम्पा, कॉमरेड लक्ष्मण शर्मा, नरेन्द्र घिंटाला और अन्य ने संबोधित किया। वक्ताओं ने राज्य सरकार पर पूर्व में हुए समझौते के उल्लघंन के आरोप लगाए।

एटा-सिंगरासर माइनर निर्माण आंदोलन के दौरान शाम को किसान वार्ता की संभावना न होते देख थर्मल के घेराव के लिए नारेबाजी करते हुए सभा स्थल से रवाना हुए। प्लांट के दो नंबर गेट पर जमकर प्रदर्शन के बाद पुलिस अधिकारियों शिवरतन गोदारा, विक्की नागपाल, रामकुमार लेघा, पवन चौधरी के द्वारा काफी देर तक समझाइश के प्रयासों के बाद किसान सभा स्थल वापस लौट आये। इससे प्रशासन को कुछ राहत महसूस हुई। लेकिन इसके बाद किसानों ने सभा स्थल से अनिश्चितकालीन धरने की घोषणा कर दी। प्रशासन को जल्द मांगें पूरी नहीं होने पर अल्टीमेटम भी दे दिया कि 2 जुलाई को प्लांट की कोल लाइन पर कब्जा करेंगे। यह घोषणा संघर्ष समिति के संयोजक राकेश बिश्नोई ने की।

गौरतलब है कि सूरतगढ़ थर्मल की कुल 8 इकाई हैं। जिनसे कुल 2820 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता है। थर्मल से बिजली उत्पादन में रोजाना 35000 टन कोयले की आवश्यकता होती है। यदि किसानों द्वारा रेल की पटरी को जाम किया जाता है, तो थर्मल में कोयले की सप्लाई प्रभावित होगी जिससे पूरे राजस्थान में बिजली संकट छा सकता है।

छह के खिलाफ मामला दर्ज

सरदारशहर, (निसं)। पुलिस थाने में छह जनों के खिलाफ होटल में फायरिंग करने का मामला दर्ज हुआ है। पुलिस सूत्रों के अनुसार वार्ड 31 निवासी असलम खान ने रिपोर्ट दी कि मदीना कॉलोनी के पास मेगा हाइवे पर उसका होटल है। होटल में उसका भतीजा शाहरूख व असलम बैठता है तथा 4-5 कर्मचारी भी काम करते है। शनिवार को रात वह होटल में था। करीब साढे 11 बजे दो व्यक्ति आए और खाने का ऑडर देकर चले गए। इसके बाद दो गाडिया आई। जिसमें 7-8 युव्काा थे। जो होटल में आकर बैठ गए और शराब पीने लगे। शाहरूक ने मना किया तो मारपीट करने लगे। उन्होंने बीच बचाव किया। तो वे बाहर चले गए। उनमें दो लडकों को पकड कर बैठा लिया। दोनों ने माफी मांगने पर छोड दिया। इसके 15-20 मिनट बाद बोलेरों में सवार होकर जयवीरसिंह, अभिषेक, छैलूसिंह, रवि, मानसिंह, सुरेश जाट आए और जान से मारने की नियत से 3-4 फायर किए। वे इधर उधर भाग कर जान बचाई।

वन भूमि से जबरन सड़क निकालने पर मामला दर्ज

बामनवास, (निसं)। उपखंड स्थित वन क्षेत्र में अवांछित गतिविधियों एवं अवैध खनन सहित वन कर्मियों द्वारा रोकने के प्रयास के बाद उन पर होने वाले हमले एवं मुंहजोरी के मामले बढ़ते नजर आ रहे हैं। अब अगर वन विभाग अवैध खनन या फिर होने क्षेत्र में हो रही अवैध गतिविधियों को रोकने का प्रयास करता है तो उन पर सामूहिक जानलेवा हमला सहित सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से भी ग्रामीण परहेज नहीं कर रहे हैं। ग्राम पंचायत डूंगरवाडा के गांव गोठ सीकरोड़ी में वन विभाग की भूमि में होकर जबरन सड़क निकालने पर जिला परिषद सदस्य के पति सहित करीब 5 जनों के खिलाफ वन विभाग द्वारा पुलिस में मामला दर्ज कराया गया है। वन विभाग के रेंजर दीपक शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को ग्राम गोठ सीकरोड़ी में पहाड़ काटकर वन विभाग की भूमि में होकर जिला परिषद सदस्य पति प्यारेलाल मीणा व उनके समर्थकों द्वारा जबरन सड़क निकाली जा रही थी। इस कार्य के लिए उनके द्वारा एक एलएनटी मशीन का उपयोग किया जा रहा था। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

■ वन क्षेत्र में अवाछित गतिविधियों के बढ़ रहे मामले

टीम द्वारा मौके पर एलएनटी एवं दस चक्का ट्रेलर को जब्त कर लिया गया। लेकिन मौके पर उनके समर्थकों द्वारा वन विभाग के कर्मचारियों से अभद्रता एवं छीना झपटी कर एलएनटी एवं ट्रेलर को छुड़ा लिया गया। जिस पर राजस्थान वन अधिनियम की धारा के तहत वन विभाग द्वारा मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं शनिवार को इस संबंध में बामनवास पुलिस थाने में जिला परिषद सदस्य पति प्यारेलाल मीणा सहित करीब चार-पांच जनों के खिलाफ राजकार्य में बाधा पहुंचाने चोरी एवं सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज कराया गया है।

पीडब्ल्यूडी सहायक अभियंता के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज

वैर, (निसं)। पुलिस महानिरीक्षक के निर्देश पर पुलिस थाना वैर में पीडब्ल्यूडी सहायक अभियंता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है जिसमें एक महिला ने सहायक अभियंता पर गरीब महिला को जान से मारने की धमकी देने, जाति सूचक शब्दों से अपमानित करने का आरोप लगाया है।

पुलिस थाना वैर इलाके के एक गांव की दलित महिला ने पी डब्लू डी सहायक अभियन्ता वैर गोविंद पुत्र गणेश निवासी जगजीवनपुर द्वारा दलित गरीब महिला की जान से धमकी देने, नाजायज रूप से परेशान किए जाने पर पुलिस महानिरीक्षक से एफआईआर दर्ज कराने की मांग की। जिस पर पुलिस थाना वैर में मामला दर्ज कराया गया है। रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया है कि सहायक अभियंता गोविंद पुत्र गणेश निवासी जगजीवनपुर पीडब्ल्यूडी द्वारा नाजायज रूप से परेशान किया जा रहा है उसे सहायक अभियंता द्वारा कहा जाता है कि इस आबादी में स्थित उसके मकान में हो करके रास्ता निकलेगा जबकि उक्त मकान करीब 20 वर्ष पूर्व से निर्मित है जिसमें इंदिरा आवास के द्वारा पीड़िता के पिताजी को आर्थिक सहायता मिली थी। विभाग द्वारा पूर्ण जांच कराने के उपरांत उक्त आर्थिक सहायता मिली थी जिसके द्वारा पिताजी ने उस मकान को निर्मित करवाया था मकान में प्रार्थी अपने परिवार सहित निवास कर रही है। 7 जून 2022 को समय दोपहर ढाई बजे सहायक अभियंता आया और मकान पर आकर के फीता लगाने लगा। मना करने तो गाली गलौज पर उतर आया और पीड़िता के साथ मारपीट कर दी।

बालों को पकड़कर खींच लिया और उसे बे अदब कर दिया। चिल्लाने की आवाज सुनकर बचाने आए अन्य लोगों के साथ भी मारपीट की और धमकी दी।पीड़िता का रिपोर्ट में कहना है की उसका पति जयपुर में मजदूरी का कार्य करता है। और वह अपने बच्चे सहित अपने गांव में निवास कर जीवन यापन कर रही है। पीड़िता पुलिस थाना वैर में मामला दर्ज कराने आई तो पीड़िता की कोई सुनवाई नहीं की और कहा कि उच्च अधिकारियों से आदेश लाकर देने की बात कही की हम इसमें कुछ नहीं कर सकते मामला गंभीर है। तब पीड़िता ने पुलिस महानिरीक्षक से जानमाल की रक्षा करने के साथ आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्यवाही करने तथा पीड़िता का मेडिकल करवाने की मांग की। जिस पर पुलिस महानिरीक्षक के निर्देश पर पुलिस थाना वैर में मामला दर्ज किया है।

संप्रेषण एवं किशोर गृह से दो बाल अपचारी फरार

करौली, (निसं)। करौली बाल सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह मे अधिकारियो की लापरवाही और लचर सुरक्षा व्यवस्था के चलते दो बाल अपचारी फरार हो गये जिसका कोतवाली थाने पर मामला दर्ज कराया गया है।

जिला मुख्यालय पर स्थित संप्रेषण एवं किशोर गृह में सुरक्षा व्यवस्था के अभाव के चलते 6 माह के अंतराल मे एक बार फिर दो बाल अपचारी फरार हुए। इससे पूर्व 26 जनवरी 2022 को इसी संप्रेषण गृह से दो बाल अपचारी फरार हो चुके है। यही नहीं वर्ष 2021 में भी बाल अपचारी फरार हुए। देखने लायक यह है कि सुरक्षा प्रबंधन के अभाव के चलते बाल अपचारीयों का फरार होने का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। ना ही संप्रेषण एवं किशोर गृह प्रशासन गंभीरता से सुरक्षा के कड़े प्रबंध कर पा रहा है। जानकारी के अनुसार शनिवार रविवार की मध्य रात्रि को दो बाल अपचारी संप्रेषण गृह भवन के ऊपर से कूद कर फरार हो गए। जिन की सूचना संप्रेषण गृह में रह रहे बाल अपचारीयों ने ड्यूटी पर तैनात गार्ड, कर्मचारियों को सूचना दी। सूचना पाकर गार्ड, कर्मचारियों ने संप्रेषण गृह के अधीक्षण केके सांखला को सूचना दी। सूचना पाकर अधिकारी मौके पर पहुंचे और बाल अपचारीयों के भागने की पूरी जानकारी ली जानकारी के बाद अधीक्षक ने कोतवाली पर बाल अपचारीयो के भागने का मुकदमा दर्ज कराया।

एसडीआरएफ की टीम ने पुष्कर झील में डूबे अधेड़ के शव को बाहर निकाला

40 मिनट की कड़ी मेहनत एवं अथक प्रयासों से सफलता मिली

अजमेर, (निसं)। एसडीआरएफ राजस्थान सेनानायक पंकज चौधरी को पुलिस अधीक्षक जिला अजमेर विकास शर्मा से जरिये टेलिफोन सूचना मिली कि पुलिस थाना पुष्कर जिला अजमेर के अन्तर्गत शनिवार रात्रि 7.30 बजे 58 वर्षीय अधेड व्यक्ति के पुष्कर झील में डूबने की सूचना है। जिसकी तलाष सिविल डिफेंस टीम तथा स्थानीय गोताखोरों से लगातार करवायी जा रही है किन्तु व्यक्ति का शव अब तक बरामद नहीं हुआ है, अत: रेस्क्यू टीम अविलम्ब घटनास्थल पर भिजवाये।

सूचना पर एसडीआरएफ राजस्थान सेनानायक पंकज चौधरी ने एसडीआरएफ कन्ट्रोल रूम जयपुर को निर्देष दिये कि ई कम्पनी एसडीआरएफ अजमेर से एक रेस्क्यू टीम आवश्यक राहत उपकरणों के साथ अविलम्ब घटनास्थल पर भिजवाये। एसडीआरएफ कन्ट्रोल रूम जयपुर ने ई कम्पनी एसडीआरएफ अजमेर के प्रभारी कम्पनी कमांडर करणी सिंह को अविलम्ब एक रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर भिजवाने हेतु बताया। कम्पनी प्रभारी ने रेस्क्यू टीम ई-3 के प्रभारी हैड कानि. राजेष कुमार के नेतृत्व में 11 जवानों की एक रेस्क्यू टीम को आवष्यक राहत उपकरणों के साथ रात्रि 9:45 बजे घटनास्थल के लिए रवाना किया। टीम द्वारा रात्रि10:49 बजे घटनास्थल पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया गया तथा टीम कमाण्डर ने एसडीआरएफ कमाण्डेन्ट को बताया कि घटनास्थल अजमेर जिले की पुष्कर झील है।

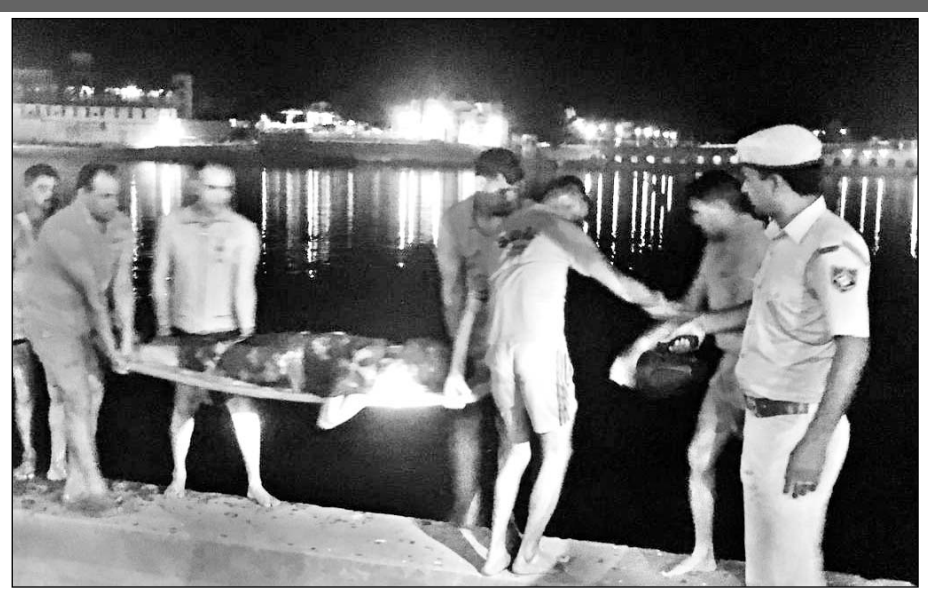

अधेड़ के शव को झील से बाहर लाती एसडीआरएफ की टीम।

सांय करीब 7:10बजे एक अधेड उम्र के व्यक्ति ने पुष्कर झील में कूद आत्महत्या कर ली है। नगर निगम के गोताखोरों एवं सिविल डिफेंस की रेस्क्यू टीम द्वारा काफी प्रयास किये जा रहे है लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिल पायी है। घटनास्थल पर झील की गहराई करीब 20 फीट है। एसडीआरएफ राजस्थान सेनानायक ने टीम कमाण्डर को आवश्यक दिषा-निर्देश दिये एवं गणपति महावर डिप्टी कमाण्डेन्ट, प्रियंका वैष्णव सहायक कमाण्डेन्ट तथा करणी सिंह कम्पनी कमाण्डर को ऑपरेशन के निकटम सुपरवीजन हेतु नियुक्त किया।

टीम कमाण्डर के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम के जवानों षिवराज, रामचरण, सोहनलाल, फूलचन्द टाण्डी, किषनलाल, कैलाष, नारायण सैन, रामअवतार, सुरेष कुमार तथा दषरथ ने रात्रि 10:55 बजे रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। सबसे पहले टीम ने झील के भराव क्षेत्र में लाईन एवं जीक जैक सर्च तकनीक से गोता लगाकर सर्च किया, उसके बाद बांस, लाईफ बॉय तथा रेस्क्यू रोप की सहायता सर्च ऑपरेशन चलाया गया। 40 मिनट की कडी मेहनत एवं अथक प्रयासों से रात्रि11:35 बजे पुश्कर झील में डूबे राजेश ओझा उर्फ राजू पुत्र पुरूशोत्तम ओझा 58 वर्ष निवासी नसीराबाद हाल निवासी वैशाली नगर, अजमेर के षव को बाहर निकालकर स्थानीय प्रषासन को सुपुर्द किया। घटना स्थल पर मौजूद उपनिरीक्षक श्रवण कुमार मय पुलिस जाप्ता ने रेस्क्यू कार्य की सराहना की। स्थानीय पुलिस तथा प्रशासन ने भी राहत महसूस की और टीम को धन्यवाद दिया।